



संख्या—cm-623
20/09/2026

मुख्यमंत्री ने समृद्ध बिहार के निर्माण में सभी की सहभागिता का किया आह्वान

मुख्य बिंदु:—

- शिक्षा, आधारभूत संरचना और सांस्कृतिक विरासत के विकास के लिये राज्य सरकार कर रही है निरंतर कार्य।
- एकजुट होकर गौरवशाली बिहार के निर्माण का सभी संकल्प लें।

पटना, 20 सितम्बर 2026 :— मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आज सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित बापू सभागार में आयोजित विकसित बिहार : नींव से निर्माण तक — महामंथन सह लव—कुश प्रतिभा सम्मान समारोह का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। प्रोग्रेसिव बुद्धिजीवी एसोसिएशन, बिहार द्वारा आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि लव—कुश समाज की एकता की नींव वर्ष 1994 में रखी गई थी और यह एकता आज भी कायम है। उन्होंने कहा कि लव—कुश समाज किसी के खिलाफ नहीं है, बल्कि न्याय के साथ आगे बढ़ते हुए बिहार की समृद्धि और देश के विकास में अपनी भूमिका निभाना चाहता है। वर्ष 1992—93 में कुर्मी चेतना रैली और कुशवाहा सम्मेलन के बाद 1994 में दोनों समाजों ने मिलकर लव—कुश सम्मेलन का आयोजन किया था। इसकी शुरुआत करनेवाले सभी नेताओं को मैं बधाई देता हूँ। उन्होंने कहा कि इसी सामाजिक एकता ने आगे चलकर राजनीतिक स्वरूप ग्रहण किया और इससे जुड़ी राजनीतिक पार्टियों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज विकसित भारत और समृद्ध बिहार की कल्पना को साकार करने का समय है। प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी ने विकसित भारत और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी ने समृद्ध बिहार की कल्पना की है। इसे साकार करने के लिये हमलोग काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार का इतिहास गौरवशाली रहा है। चंद्रगुप्त मौर्य और सम्राट अशोक जैसे महान शासकों ने इसी धरती से भारत और दुनिया को दिशा दी। बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने और मजबूती से प्रस्तुत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 के बाद बिहार की अर्थव्यवस्था और आधारभूत संरचना में बड़ा बदलाव आया है। बिहार और झारखंड के अलग होने के समय बिहार की अर्थव्यवस्था काफी हद तक झारखंड से प्राप्त राजस्व पर निर्भर थी, लेकिन आज बिहार का बजट झारखंड से काफी आगे निकल चुका है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में जहां झारखंड ने 1 लाख 39 हजार करोड़ रुपये का बजट पेश किया वहीं बिहार ने 3 लाख 17 हजार करोड़ रुपये का बजट पेश किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में 15 जुलाई को एक साथ 211 डिग्री कॉलेजों में पढ़ाई शुरू कराई गई। 700 मॉडल स्कूलों (सरस्वती विद्या निकेतन) की स्थापना की गई है, जिनमें 3.5 लाख बच्चे पढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'विद्यार्थी साथी' ऐप के माध्यम से 75 हजार

शिक्षकों को जोड़ा गया है और रात में भी बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। अभी इस ऐप के माध्यम से रात में लगभग 1 लाख 42 हजार बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बोधगया में भव्य कॉरिडोर विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। वाल्मीकि नगर में लगभग 60 करोड़ रुपये की लागत से भव्य लव-कुश पार्क के निर्माण की पहल की गई है। साथ ही, सीतामढ़ी में भव्य सीता मंदिर के निर्माण का कार्य भी आगे बढ़ाया जा रहा है। लगभग 1000 करोड़ रुपए की लागत से इसका शिलान्यास किया गया है। इसके लिए मैं केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी को धन्यवाद देता हूँ। वर्ष 2028 के 31 दिसंबर से पहले भव्य सीता मंदिर को स्थापित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति विरासत को दुनिया के सामने लाने के साथ-साथ राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना सरकार का लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सभी लोग मिलकर आगे बढ़ते हैं तो बड़ी उपलब्धियां हासिल होती हैं। उन्होंने पांच उंगलियों का उदाहरण देते हुए कहा कि अलग-अलग होने पर उनकी ताकत सीमित होती है, लेकिन मुट्ठी बनने पर यही एकता की ताकत बन जाती है। उन्होंने कहा कि बिहार की समृद्धि और विकास के लिए सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने का काम जारी रहेगा। विकसित और गौरवशाली बिहार के निर्माण के लिए हम सभी मिलकर काम करें। आज के इस आयोजन के लिये मैं प्रोग्रेसिव बुद्धिजीवी एसोसिएशन को धन्यवाद देता हूँ।

समारोह के दौरान आयोजकों द्वारा मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंटकर उन का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री संजीव कुमार, बिहार प्रशासनिक सेवा की अधिकारी श्रीमती प्रीति कुमारी और सहायक आयुक्त धरनीधरा को मोमेंटो देकर उनके बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 'स्वर्णिम दिन सम्राट के' नामक स्मारिका का विमोचन किया।

कार्यक्रम में ग्रामीण विकास सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्री श्रवण कुमार, स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री श्रीमती शीला कुमारी, सांसद श्री उपेंद्र कुशवाहा, विधायक श्री पप्पू वर्मा, विधायक श्री रत्नेश कुशवाहा, विधान पार्षद श्री संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और बड़ी संख्या में आम जन उपस्थित थे।
